an>

Title: Need to put to use a new underground water reserves exploration technology named as 'God Energy Technology' invented by a Geologist from Bundelkhand region of Madhya Pradesh.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल **(दमोह) :** मध्य प्रदेश के पिछड़े क्षेत्र बुन्देलखण्ड के एक भूगर्भशास्त्री ने जमीन के भीतर जल को तलाशने की भारतीय तकनीक से चार यंत्रों का निर्माण किया है। तकनीक का नाम "गॉड इनर्जी टेक्नालॉजी" रखा है। पहला यंत्र है "वाटर रेंज डिटेक्टर" जो पानी की उपस्थिति बतलाता है, दूसरा है "वाटर एवेलेबिलिटी डिटेक्टर" को पानी की उपलब्धता एवं क्षमता बतलाता है। तीसरा है "वाटर फ्लो डायरेक्शन डिटेक्टर, जो पानी के प्रवाह की दिशा बतलाता है और चौथा "वाटर डेप्थ केलकुलेशन डिवाइस" है जो पानी की गहराई 1000 मीटर तक बतलाने का दावा करता है। जबकि दुनिया में चीन ऐसा देश है जिसके पास 500 मीटर तक गहराई जानने की "इमेजिन" नाम की मशीन है जो केन्द्रीय जल बोर्ड के पास है लेकिन उसका उपयोग प्रारंभ नहीं हो सका है।

अतः केन्द्र सरकार से मेरा आग्रह है कि उपरोक्त बहुआयामी तकनीक है जो आसन्न जल संकट के समाधान के लिए सस्ती, स्वदेशी एवं भरोसेमंद है, को मान्यता प्रदान कर इसका राष्ट्रव्यापी उपयोग प्रारंभ कराया जाए।